

ഗ്യമ്പപ്പെടു പ്രവേശി स्रारे अप्तरा *लणजैन्नह*लीपए प्रोज्ञ ज रा भारता है जा कि जा कि ज्यान प्रजंश क्राज्य मरुपाल भाषीन्द्रेष्ट मण



<u> इस्</u>रीजीटामा र्टेंगोण टेश्क्रमियः स्टिगास एताप्रभन्नाह दिस्तार प्राप्ति sz nvl द्वीभाग मस्ता देएए කුංදු(ගළ ද[ු]අ නික්ෂුද්රය



सि॰पारिंग्स पिंट ऽह्यां ≥स_ुद्धम्दर मोत्य आरापार्वयस्या ಹೆ*ಒ°*ನ टੂ-ऐನ⊼ಆಕ प्रसन्न क्रिये के क्रिया क्रा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया ℋℊℍ



महम पएकि प्रेंड जिल्ला

ेट्या १ तम्बर्ध १ लिख वर्षा भारत वर्षा प्राप्ति ।

टैंप्रोफिस एँए ट्रोक्रीस प्राप्ते स्ट्रिगाक्ष इट्टेड्यु <u>प्राट</u>४० प्र*धार्भे प्राटेडर*० ह (प्राप्तमाम) गर्ग प्राप्तमाम) र्राचनिया हेन प्राप्ट लेलन जेभाग्रम जी पॉज ५४%

ರ್ಣಿನಂ ಪ್ರಾದಿಸಿ ಕ್ರಮ್ ಕ

भ<u>मह</u>र्म रह मा पारिकार कर के मान कि से कि से सिम्ह

क्ष मामिल प्रत्यंत्रकात भक्षय भक्षय भक्षय प्रत्यंत्रकात भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय भक्षय ° 5 णाभित्र त्रि भागित्र मञ्जू

र्स्का) ०२ ४८७५७ म्हें मद क्रामार्ट्य स्थान स्थान स्थान स्थान र्भर ३२ वित्र गुरूभेर हर्णभीह रित्रिया कि विषय विषय इस अस्ति यूर विभिन्न महित ण्य के प्रयक्तिक है ० थे । बार्के मार् भाषणळ हम<u>िय</u> क्षा प्राप्ता अ हर्स्नमण पार्रजीर हर्दण ग्रीस र्ह्यामालक् अमीएण्ड एदर्क् <u>भिन्त</u>र्प्त ह्यात्र अस्त्रम् ज्ञारिक क्रिक

,दर्र ७४६ त्रम जीव्यक्य ह्यांत रसे रूष्टर रुणटर खूण वासेण िरदर्ग ह २२.८ प्राप्त भारीसप्रप् सिष्ठम<u>त्र</u>म्य ह्याज हेटेट एग्टा, रिभमण पारित्र क्रिमण अवस्य भिरमण ा भिभाम एटीक्वरीए ।। भिएए हेन्ट हरीमा प्योटन

रे<u>क्ष</u>क्ष्य लेक्सिटोर्ग नणार्ययाज्य विश्वनिक्ष्य लेक्सिटार्ग न

प्रोलीमर्स्याप ॥ श्वर्षे मउठ्ये विद्यार्थन ,द्रक्रीय्यूप क्रमण क्राप्रायम राज्य प्रक्रिय प्राप्त्रम प्रमुखायम प्रमुखायम

रू. फ़ुलुमटर ख़ुवान माुटील व्यस्त्वा व्यान्य व्यावाहु व्यस्त्य स्त्रेममा व्योवा प्रतिवाह क्षेत्रहमार्ग प्रविवास ॥ भिरुद्ध रिष्ठा प्रसानित प्राप्त होन स्रित उपार्ट प्रमान विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त हर टैंकी। प्रेज्न सेणड ए४छक्षण टैंक्यागए ज्याप्रे एउन स्थाप

टीम्मध्य इण्ड

गुराधामुह्या राष्ट्राधा राष्ट्रहेषा र एवं सिटाबी ट्राधिक का मध्यम करम करम करम करने विश्वासी प्राप्त कर्या के अप ॥ भिरदर्त <u>भन</u>्दद्वर्र लुरीमा र र राज्य ॥ राष्ट्रद्व १३.८ प्राप्त रोतपणु गर्पान् म हागम एक्से प्रियानी एउटा प्रायान का हारोजात रहा है एक एक जा का हो है जो है जो है जो है जो जो है जो जो जो जो जो

⊼ुराभारा ब्रुट

एक्ने <u>जिल्ल</u> हुन हुन्त

भ्रम् ॥ सभे ज्ञान्य भ्रम् ॥ सम्

॥ १५४८ मध्य अर्थे अर्थे आत्मार मुस्ति विश्व स्थाप अर्थे अर्थे अर्थे स्थाप स्था

…ह्य दर्मेट र्रम

<u>कर्य</u>लाठा वाष्ट्रपाठ ४० ग्रेग जिल्लामण

ार्यस्य पानिस्य त्रात्म प्रकृत १८० भटनाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय प्रमाय

MECOMER, MECOMENTAL OF THE CONTROL O

नामिष्ठकार के जिल्लामिक वार्यमा विश्वमा

क्र साधाम प्रजास प्रजास प्रजास क्र

स्त्रियंष्ट्र प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य

ට්யාන ල<u>නාඥ</u>ි පෙන සොම ीण हत्याम किसा देखा देखा उद्युप्त कुरोत्र जहार विश्वास क्रिया कर्यम वर्ष कर्ज कर्ज क्रिस् वर्ष क्रिस क्रिया क्रिस

न्हर्मित्राम**्** णाणि एषदर् जारिस्य मध्य रमधा , निदर् स्वाच भारित ॥ भिदर्श भित्रमाण रहेर एदर्श्य सीटाय निर्धामाटर्श्य पार्वम रह्मं निष्योत्तरम् ,दर्श एर्याप रहेन ॥ भित्रमण रहेन

गोरेक्डर ट्रिंग ९८१९ ट्रिट्रीयर्ड ९००

भारतम् अध्यक्तिम् हरूपासभूत

भूगारञ्जात जिल्ला विद्यमात्रा स्वार्षदम

लाएणध्याणीत दैस देस मजीस रद्धण

प्राटाम भागम रदर्व दार्पाय मञ्जार

के बारी है जाए हैं है जिस्से हैं के कार्य के इस्के

ा रिर्दर प्राप्तक ग्रहण्य सन्ध

ठँर गर्र गरर ठवर्ड भाठस्रभोर्दें ीगापरिपान् विषयार्वम ॥ १<u>भक्</u>षमप्प भगादिश्यीम भागरिष्टम मारीज मब्ज १०४दर्ज ग्राचित्रभ्रम् म रिज्यार्कित रिक्क्षर

न्ने जिल्लाहरू MCM HIGH क्षाहर्य सन्य क्रीशार्खी<u>य</u>दर्भ लिसिटेंट सहमली ग्रेंडीमधल प्रस्तित स्थाप्त प्रसार्थित प्रसार्थित ग्रत्यमस्य ॥ दश्भेट्रे ररभम्य राष्ट्रीरम रिस्माण मारीज शिपार्करपाल् विद्याप्तिम . अब्र मिस्राधिष्ठक्रें भिम्म प्राधिद्याधा कर्म्यदर्शाल ज्ञाद्याच्या अपक्रम धेभार्ये हेन्या अधिर्यं

व्यय द्वार अन्मिद्र स्थान ०० भिष्का हुन विकास सार्थ के सार्य के सार्थ के सार्य के सार्थ के सार्य के स ௱௵௱௺ **XSEH** मद्रार ത്രിയ ෆභෑිිිිිිි ष्ट्राध्या भिष्य । है माग हरा ३८ हे हमेर देन एक सार किल्ला किल्ला असे असे असे हरा है ल्लाउँस तामार विवास अस्ति विवास संस्था प्रतास संस्था प्रतास स्था प्रतास स्वास स्वास ह्या है हरे हरे णर्भेर रमभष्य पामन्त्रीगाठीमभु गुनुगर मुद्धार भिन्दर रिन्द

इट्टिगाए

पाल्य माध्यमास्य अस्य विकास संभाव व वित्र स्वरुपाल्या स्वरुप ॥ <u>°भूर</u>गञ्जाबदर्घ

स्राधारार है है कि साम स्वर्ध कर है है से स्वर्ध मध्य स्वर्ध कि द मध्य एएदर्ध जायर्थे होमार्क विधारिमस्म वर्षे एप्पर्स पार्वतीम हर्वमद समस्म वर्ष मध्य इ 'छ४ म ५० दस्याप्त प्रमास एक स्रात ॥ १५८ ज्यस्या

०१ हें इ.स.च. १८ हें हैं है हिस्स महम हो दर्वस्था रहेंगे। ११ भराषां महम हो दर्वस्थां स्था १६ हे स्थापं र एखनार ट्राया दर्शन क्रिम एक एक प्राप्त क्रिम के अप है अप है जिल्ला क्रिक विकास के प्राप्त के प्राप्त के प्र होर सहदर्भाक रहका दिन्नाताल किसमें सहक मध्यम । है यह दूम हमाएक मध्यम भिरम । भारता विकास क्रियाणीय महीम स्वरम्भर रमन् पार्य हम हमयार्थ मय यश द्या प्रधारहरूरेपार होग्य महम ॥ न्होन्रस्तरं रुण्यामा रहे हरूक भष्या है रुण्य ॥ <u>भन्</u>यञ्चत्रन्यामा विक्र किन र हुए एटान्दर्याणी मार प्रहेर्ने हाँकोधि भिर्म प्रहुरे भाभ प्रमाण मार्थ मार्ग रमीमापु भारक मनम जरायां स्वार्ध रहायां जे मा हे द दक्के हम्पूर्व जरभयाप

ह्रष्टवर्क एन्टर्न निर्माश्यक्रम वर्धक गर्गम गर्काला हिमा एक एक एक एक प्राचीत हिमा एक प्राचीत है है

ण्या हिन्स हा स्थान स्थान स्थान हें ज्ञान हें ज्ञान हें ज्ञान हो जिल्ला है ारियाम संस्था महिर प्राप्ता महिर प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त हो । जातमा साम प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त र ३ विस्स भारतारायाभवर्तस्यार्गार मर्व्ह किएश्वरमास्त्रम भार्स्रार

र्ममीगाए हाम धार्म स्वाप्त हो हो हो हो है टर्गांचे रुदैदर्ग विश्वपर्तम मण ॥ ब्रियार्थः हरणि राज्यारमध्य ब्रिसम दर्धार्ट ध्रम पार्चम रापाह्रच (කද්දුලෙක) ක ද්න <u>ක</u>අ(ෆනල पार्ट्स सपारम ॥ राज्यायदर् क्रिस्ट्रमात स्टर्ह्यामाल्च जमिन स्रे अंट टेज्रखट्ट्री। ीठ रहत्या उदस्याभा मध्य

യായായ് വിധാനം വിവരിക്കാന് വിവരിക്കാര ऋळा माउपार्य पार्क्येय ॥ ऋतिब्रह्म

жस्टेड द्वम टिप्पट हरिण्यक्षम ॥<u>भ्यत्र</u>प्रध्य मुन्नाम भूषार प्रमहीम भाष्या साष्ट्र रमसूह प्रमुद्ध उद्ध्यम उर्ध द्रम रिज्य पार्क्य हमगुरित्य मह्ह । रिजापाधवर्द्धपार्गात स्वापुम द्रयं हर्मगुरित्य मह्ह हे प्राप्त स्था । जिल्ला स्थान लुह्म ४०% प्राचित्र एक एक हिन्स विवास एक विवास

ውንፈን አላ<u>ጆው</u>

ACAMED अध्यास न्यत्भी हे ब रहे क्रिक्स इंटीए रेन्स സമ്പായ ्राप्याचार्य जा<u>ध्याउ</u>भार राभीका प्रान्तिका उपारिष्ठ हर्दरापार ज्यम् जिस्स अस्य स्थापन गाराधिन्द्रीय सम्बन्धन्याधिक ब्रिक्य विद्याप्त इरेटी प्रमुख्या है पानिक प्रमुख्य है । र्राक्षण जिल्ला ज्याधित्रक्षित्रम ।<u>°ऋ</u>४प्र ४प्रार्थं ४**प्रा**रं रू म हे सम्मात प्राप्त होता प्राप्त अध्य प्र **र्याप्तराह्म अंतिमार्थ, प्रमार्थ अंतिमार्थ** उत्तर प्रत्य प्राप्य त्राप्य प्राप्य प्रत्य प्राप्य प्रत्य MA, FIAM' MI ME CLAMMANE हम देख, सर्चे अमहमर्लें प्राप्ती म॰ह्याय हिंद , उपाञ्चलपार्शेष पाठरद निकार प्राथित अध्या स्था र्येण राधार अब्दर्गात वाधारुक्रभिष्ठ टाप्पण समध्य हर्ष २२ प्राप्त पा ॻॻऻॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ रब्रर्च र्रन्ट मण्णे प्रम जिन्मल

HL Poll

yanaba bill oigadra?

da Visit toubiyu NGARANG GI RESULT

Q: CM oirabadi AFSPA louthokpa ngamgani haiba wafamsi yaningbra?





रेख्नए गरिए विटमाण्टी...!

म्रिक्स सम्बद्धि ।

Q: Manipur leingakki websiteta fanghallaba draft bill asi chingtam pumnamakna

POLL CLOSES AT MIDNIGHT Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com

Irom Sharmila Chanugi

Yes | 26% | No | 74%



थ्रिकामिश्रुस्य क्रिट थेंग लेक्डिल्ल, स्ट्रिमल प्रस्टा अभाराम किरद्धिल प्रमुख्य भ<u>न्यत</u> अन्य मान्य प्राच्या भारति प्राच्या

田。田坐公正。田。日



क्रमहेन, प्राण्य ९० : हम भीमार्भिराम टेपाटर सम्ब ा जिल्लास्ट्रेंट स्र<u>िक्ट</u>लोजीस स्टब्स्य स्वाधितसभ्देः पाठद भिरिक्षिष्टा जन्मासम्ब स्ट्रम उपाधी १९३० मह्म अधि अर्था अर्थम

हम लिसिस्य प्रशासिक मिस

भर्ये जवारमधा गर

र्भें भाम रहण घाँदम हरू ए रस र्नसद स्टब्ब्य ॥ जिजायभर जिजाण २० वि रज्बाजा स्टब्स മമ്പിന്റാച്കാക്കുകളെ ചെയ്യുന്നു വിത്രിന് വിത്രിന്റെ വിത്രാക്ക് വിതരാക്ക് വിത്രാക്ക് വിത്രാക്ക് വിത്രാക്ക് വിത്രാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്കാരാക്ക് വിതരാക്ക് വാരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതരാക്ക് വിതര र्द्धता कराता माता समस्य सहस्य अस्तान स्वतंत्र हत्य मज्यम ज्रयोस्सर्टीए जेंकजर्म, सिरिसार्थ रियान मार्गिया मार्गिया करिया मार्गिया ह्यारिसन्तम गायार हरन र्यो एक प्राप्त भ्रम्भारतिकार ग**ठेए**एकए ह**े**णक**े**ण<u>ऋभ</u>ः॥

> प्राक्तिया ॥ भन्देष्ट യ്യില

स्रक्षमाण्य ॥

જો જે માર્ત માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા છે. માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા પ્રાપ્ત માર્ત્યા માર્ત્યા પ્રાપ્ત માર્ત્યા માર્ત્યા પ્રાપ્ત માર્ત્યા માર્યા માર્ત્યા માર્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા માર્ત્યા મા रीम राजानार्य अल्लास्यान्य ॥ विज्ञान्य अल्लास्यान्य ।। विज्ञान्य अल्लान्य अल्लान्य अल्लान्य अल्लान्य अल्लान्य ह्यू ॥ उत्पार छळ्टभम पार भाम ८००० व्या हमण माडीम भार्स्यात भार्स्यात भार्मिक हो हो भार्त्त देम माण्या हेत्र प्रहास हेत्र इंटाणा आराज्या विस्त्राताला हुने के साम के कार्या के कि साम के कार्या के कि साम के कार्या के कार ியிலு யூற ॥<u>भन</u>्यार मण पारासिक प्रायक्षिक साम्बर्स र मार्गासिक राज्यार प्रायक्षिक प्रायक प्रायक्षिक प्रायक प्रायक्षिक प्रायक प्रायक्षिक प्रायक प्रायक्षिक प्रायक प्रायक्षिक प्रायक्ष गासिवर्की सञ्चार सङ्ख्यामा उत्तर साम क्रिया । जनस्था प्रामुल्य अर्थे । जनस्था अर्थे । जनस्था अर्थे । जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था जनस्था जनस्था जनस्था । जनस्था हणिरिभिरीबीएर गाह १२०३ गिलिराज प्रतास । उसर अन्यास हिम्स प्रतास । उसर हिम्स हिम्स हिम्स हिम्स हिम्स हिम्स हिम्स ॥ डिप्पर्ड जबदर्ब रिजामा स्वर्धात राजिताहर जयभ्य ब्रह्मामञ्ज ...ह्य दर्मेट द्रम

"स॰स्टरिक्ट प्रिल्य मा प्राप्त किर्म त्रिक्ट मिल्य हिंद किर्म मिल्य हिंद किर हिंद किर्म मिल्य हिंद किर हिंद किर्म मिल्य हिंद किर्म मिल्य हिंद किर्म मिल्य हिंद किर हिंद क

॥ <u>भन्द</u>दर्क छर्मिल म्हाम स्ट्रींग 🕅 भलजार्ज , स्विमद व्यस्त्रमाना प्रभागम् सामाना मान प्रभागम् सामाना प्रभागम् सामाना प्रभागम् सामाना सामाना सामाना सामाना सामाना स

ା भिराण अप्रदेश एक आर्थ हेन्स । उस्मा अपरिः उसका अपीका अध्यत्य हेन्सः सामुमा , रिदर्क एकमन्स रिस अल्डर्काक एक एक <u>प</u> मरीण एवं णाणीएफेक्ट एक मारीन हों से एक सर्वा विकास होता एक से मारीन हों से एक सर्वार्क महीन सरक ଅସ୍ट सराज्ञ ।। එදි රාසක 5% द्रहेट होयूंट सक सर्वात कल्लाक मन्यात भासामा सामामा सामामा सामामा सामामा ।। <u>भार</u>नार राज्ञ ଅञ्चलका क्षित्र ।। <u>भार</u>नार राज्ञ अञ्चलका क्षित्र ।। ाटिक मध्यात भारतील भीमार्गा व भीमार्ग गर्छ के विकास मिल्या मिल्य मण भारतार के जार के स्वतंत्र हुन के कि है ने स्वतंत्र हुन मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ मार्य मार्थ मा हरूक पाईई विस्<u>धित्य</u> हुक राज्य स्थान स्थान स्थान त्या का निक्ता हुक स्थान हुक स्थान हुक स्थान स्थान स्थान स्थान स । ज्हीमा भवनी पाठमे प्राप्त । पादी हुए । त्रवर्ष प्रवर्ष भिप्तभेष हुए । सन्दरोण प्रहि सिए०अभ हे. प्रहार देंभर देंश्रेण प्रस्काणी

रूपा॰र मण र्सम पार्रभम अरोहण रहेक विभागायार्च प्राधायक्र स्थापिक प्रिकार

सण प्रस्था गारहे गासक मीर ००<u>भा</u>त राभीसल्ला भीसाली अनिमात अर्दा वास्तिर भिष्यस्म सिलाक हुतूम रामस्त रामस्त स्थान र्ह्भभ्य होभ्डर्क ॥ १५५५ मा मा १५५ वर्ष १५५ मा मा १५५५ वर्ष भिन्न १५५५ वर्ष भारति ।

इर ब्रंट पार्मिक उर कि है। ॥ भिर्छ छंदर्ड था (होब्र) मध्य मध्य भाषस्त्रं ३१ भाष्र ोजूर र्छ पामापीहरू माप्तीम रिप्र ईर्ड ईर्ड हापीटार्षिय रहें हाप्रम प्राणियां प्रेम त्रेम के उर्धाय एक सम्बन्ध स्थाप प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्रापत प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्र प्र प्र प ण्यीटार्णाध्य ॥ वित्रणार्थ ५ जन्न विस्तर्य भरता विर्वार विराधित वि -भ्य स्टर्समर्थर विस्ताम राज्यारा प्राया । जिल्ला अध्याप से स टैंडए प्रभार जिंदा है जिल्ला के प्राचित विकास कि प्राचीता के प्राचीत के प्राच

करोडार हो जिन्न ,४७% क्रिक्शा प्रमात प्रथम क्रिक्श । द्यार्क रहे

न्द्रे भणीवीष्टिले लि वि चण स्र्राण्डि अभ्तरह

(भिगुप्तीग्रम) ह्यांप्रश्रंट अध्तरब्द् ः(१७४० अध्या प्राँग) ०२ ४९७५५म , रर्वमद කුම්ද <mark>ඉහි</mark>ස, කුළ යුස්ක්යංගකට (කං නෑ ටෑ) යුසනුළ අය ग्रांस्थर के अर्थ भारती विसंधर भारतिहरू यद्या भारता अस्त्रीत । अस्त्रीत । अस्त्रीत हेन्न भारती प्रदेश मुनाम एक भारती हिन्दू होते हैं है जिल्ला है जिल एडदर्ग्या गरीएभडमध्म ५<u>१ तर</u> भारत १ भिर्मेख भारत ॥ भारति स्थान त्रे<u>ज्व</u>ण । जार्ष्ट त्रेष्ठनी, स्टिजारिन हेणाटी ए वी ली लेक्न हिपार हैट व गोष्ट्रस्य (स्यामार्थ स्याज क्राह्म्य (स्यामार्थ) सेक्स

टा प्रभार पाभट

टिनात हिमात १९०७म एक प्राप्त प्र प्परक्र भा २२ भारतक दे हरी जार भारत हैं है है है है है हैं है हैं है हैं है ०५४ मि<u>भ्रह</u>िणाः) भीमा णाणील हें या उस्राण्य हरू १३.१६ पाम ें जिल्ला संस्था प्राप्त प्राप्त प्राप्त के जात कर हुन है जिल्ला के जात कर हुन है जिल्ला के जात है जा जिल्ला है हो भेर सामार्क प्राप्त क्रिक्त क्ष्मित क्षा क्ष्मित क्षा क्ष्मित क्ष्मित हिंदी है । ന്നിഷ്യിെ നയക്ക നിക്കിക്ക് വിശ്യായത്തിക്കാർ ट्यान्या प्राप्त त्र उदर्श रायह जाहर प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प u भिदर्श एम्राम भ्रष्टाभी प्राप्ता प्रभुश्त

जा उर्धा के इस है जा है जा है जा है जा है ज

रहेभद्र प्राचित्र संविध्य स्थापित स 8000 ਟੱੰਦਗਾਪੀ ਸੇਨਸੇ ਸ਼ਾੰਦੀ ਨੂੰ <u>ਸਮ</u>ਕਤ ਵੇਸ਼ਤਰ ਵਸ ਟੇਸ਼ਹਾਂ ਸ਼ਹਿਰ ਸ਼ਹਿਤ ਹ दर्हण पान्य भारत भारत के भारत एक एवर्ड विज्ञानसम्बद्धाः स्थानिक स्यानिक स्थानिक स्यानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्थानिक स्य मित्रायास स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन ॥ भिरुदर् एमण भारत प्रत्याधिक्रं एभिरुभाष्ट्रि भा २००३ एम

पार्रपा॰र भारतभ उम्म प्राप्त हैं है स्वापन स्वापन स्वापन हैं है जिस्स विभारतभ жएग्रिस हैं अध्याप स्थापक हैं है। उन्हें साम क्ष्यां के स्थाप स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक स्थापक \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} \mathbb{P}^{M} रमञ रणोरणमञीम विर्मा तसमण रणोर्गर रिष्म रेपार्य ह व प्रोच्छर तर ीष्णणर्विट रस्त्रीटाकः । भर्मे भीटामः टार्यष्ठा मह्यभ्भेन्न ।। भर्मेट होटा पाटिशन्तीहरूषा रिट्ठे एरपान्सपन हसर्व मण मर्ना भारतिस्त्रम ដ័យ ेऽस्वरणी । दें योषण एउर स्वरूपक गेड्र गेर्ग गेर्ग टें इ<u>प्र</u>प्रणीपणि ह्र

केंक्रण भःचटी स्ट्रियान्य विक्र

सरसन्त ४८ ६७८ हे दिस्तार अध्य प्रकृत १८०७ ५८० ५८० ५८५ मह ीणाणायाध्यस्थार सधौर छदर्व रज्ञम लाभरधर्म स्वायम र्रे भ्राजाच्या छभाराधम वर्ष उर हे जिल्ला प्रस्ति विकास विरम्भ विकास स्थापिक में प्रभाव के प्रमाणिक में प्रभाव कि स्थापिक स्था ब्रहण्य जाणीलीमर्स्यात ग्रभीटर्भान्त राज्यातीलाम मध्या जाणभारीणम मध्या ह्रामञ्जा प्रकारिक मध्या प्राप्त स्था हुन होते हुन स्थान होणक्षेत्र हें जातिक में जातिक में जातिक प्रकार जातिक हो जातिक प्रकार जातिक प्रकार जातिक ज 23 मिल र १ मिलिया के मिलिया के मिलिया के प्राचित के स्वापित के स्वापित के स्वापित के स्वापित के स्वापित के स्व रामिया हुन मारा ७२ वि स इश जिल्ला में मारा १५० मारा हुन से पानिया के पानिया मारा हुन से पानिय मारा हुन से त्र ह श्रीणाटक में मिरामार्ग प्रमासम्बद्धा मार्क मार्क मिर्क मार्क मार्क मिर्क मार्क ॥ बियार्व्साधित अर्थ स्मा अध्यक्ष्य विद्यार्था

अधिकार संद्यायन द्यायाच्या अस्तर भर्दे जदशासि पा भर्दि भारती विभिन्न मि

भारक्षित्र मा प्राप्तिकास है। १८७ मा अन्य प्राप्ति स्थाप अन्य प्राप्ति स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप निकालक स्टिंग्स हैं अन्य हुं यह अल्लाह्म अन्य हुं यह स्था प्राप्त अन्य प्रमाश्च अन्य हुं यह स्था प्रमाश्च अन्य ीजार-प्राप्ता सक्रमसर्वस्त्र सहर्य ०२ तामा पारम रेजार जय-जातमनमा सर्वराजना ज्य आप अप्रताम (क्रांचाना सरामान स्थान होन्यार्वस्य जिल्लान अस्यान (क्रिक्ना) ीगव्रभद्रम विद्यालाधिक ,ित्रदर्न एयलाहिल्या माप्तव्यक्तिंच भ्रष्टमन्म विद्याद म्हारा जार अध्यक्त हैं है है से स्वाधित स्वाधि u 1) उष्णान्य क्रिक्ट एक्टर्डिए रम°०५ प्राप्तिम पार्थिष

र्जिकोण स्टूजन सेट जारीटर्स्स प्रयोगिटी जाएटी जाएरी खाएर यामण्टि की खोनियारेण

मध्या। शिम्रक रुटार्मा भगिलदर्शकर । हैं रह्मदर्शन भगरणकीम । राज्यकार प्रार्थकार प्रार्थकार । राज्यकार ।

हर्स्य एक्स्य विद्या अस्य हर्स्य विद्यान र्भाता स्वाप्त स्वर्धा स्वर्धित ए (ए.क. के प्रमाध का प्राप्त कि प्रमाध के अपने हो अपने स्थान

क्रियाणी क्रियाचा अध्याप्त अध्यापत अध्य (०००) ७०० सारू ७ ५५६ भा ।। चिन्नार्ध अमर्र मध्य राजनार राजना मार्च पालीम रहेमा चर्यना सम्बन्ध प्रमान राजना स्व र्शाएभार अध्य भवस्याभीह क्षि ४५५% पामप्रमार रहता । त्रिया क्षिपामपाना दर्द्यो । १८४४ वर्ष पारमा भवरीमध्य ह्याप्त क्षाप्रों होत्रपार्टपार्वा ह्याप्त होत्रपार्टपार्वा ह्याप्त होत्रपार्टपार्वा FCY (C) ම යා ස්වා ම වන්ව ම වන්නේ ස්වාවයන් ස්වාවයන් ස්වාවයන් වෙන්න ම වන්නේ වනා වෙන්න වෙන්න වෙන්න වන්න වන්න වන්න मास्य प्राप्त क्षिमस्य क्षिमस्य मास्य मास्य

हें प्रात्तिक प्राप्त के कारी प्राप्त के कारणाचिक क्राप्ताच्या कारणाच्या के स्वयं के कारणाच्या के कारणाच्याच्या प्राप्त करायाच्या के कारणाच्याच्या कारणाच्या कारणाच्या

२८२२०२४४४३ (०)-२३+ धरमण भरुषा ०५४५१भ व्यापमण १०२२८३३ ,२४४०८३२-२२२० प्यामहीण४७°मऽदर्सभार ७,०२२८३२-२२२० भरमण ७५३ भामा १८५५५५ । भमा भार्मा व्य